# सत्र 2022–23 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
# (नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
# बी. ए. तृतीय वर्ष
# तबला
## प्रथम प्रश्न पत्र
## संगीत का विज्ञान
## (Science of Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 20 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, ठुमरी, टप्पा एवं तराना गायन शैलियों का सामान्य ज्ञान तथा इनके साथ बजाये जाने वाले तालों का परिचय।
2. पखावज एवं तबले की वादन पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

**इकाई–2**

1. उत्तर भारतीय संगीत में स्वर एवं घन वाद्यों की उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन।
2. तबला वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।

**इकाई–3**

1. तबले के बनारस एवं पंजाब घराने की वादन शैली का अध्ययन।
2. तबला वादन में प्रयुक्त विस्तारशील एवं अविस्ताशील रचनाओं का विस्तृत सोदाहरण विवेचन।

**इकाई–4**

1. प्राचीन मार्ग ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन।
2. शास्त्रीय गायन प्रकारों के साथ तबला संगति का विस्तृत अध्ययन।

**इकाई–5**

1. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लेखन।
2. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला वादकों का जीवन परिचय।

   लाला भवानीदीन, पं. कंठे महाराज, पं. अनोखेलाल, पं. सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पं. किशन महाराज, उस्ताद अल्लारक्खा खाँ, उस्ताद ज़ाकिर हुसैन।

# सत्र 2022–23 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
# बी. ए. तृतीय वर्ष
# तबला
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
## (Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 20 | 80 | 100 | 33% |

**इकाई–1**

1. जय, शिखर एवं मत्त तालों का परिचय तथा इन तालों के ठेके ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना।
2. एकताल एवं आडाचौताल में एक–एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित काललिपि में लिपिबद्ध करना।

**इकाई–2**

1. उठान, फर्द, गत एवं गत के प्रकारों का सोदाहरण अध्ययन।
2. विषम लयकारियों का परिचय व विभिन्न तालों को उक्त लयकारियों में लिपिबद्ध करना। (पौन गुन, सवागुन, डेढगुन, पौने दो गुन)

**इकाई–3**

1. एकताल एवं आडाचौताल में मुखडे, टुकडे एवं तिहाईयों को काललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. झपताल एवं रूपक तालों में पेशकार को विस्तार सहित लिपिबद्ध करना।

**इकाई–4**

1. तिहाई रचना के सिद्धांतों का अध्ययन।
2. विषम मात्रिक तालों में सम से सम तक तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।

**इकाई–5**

1. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल में तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।
2. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित करने का अभ्यास।

# सत्र 2022–23 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
# (नियमित एवं स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु)
# बी.ए. तृतीय वर्ष
## प्रायोगिक
## तबला वादन की तकनीक
## (Technique of Tabla Playing)
### प्रदर्शन एवं मौखिक (Demonstration and Viva)

| अंक योजना | | | |
|---|---|---|---|
| मिड टर्म | एण्ड टर्म | कुल अंक | न्यूनतम उत्तीर्णांक |
| 20 | 80 | 100 | 33% |

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित जय, शिखर एवं मत्त तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. बनारस एवं पंजाब घरानों के प्रमुख बोल समूह एवं रचना प्रकारों का वादन।
3. एकताल एवं आडाचौताल के कायदे को न्यूनतम दो–दो पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढ़ना।
4. उप शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों का वादन। (पश्तो, अद्धा, दीपचन्दी, पंजाबी)
5. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों को अपेक्षित लय (विलंबित/द्रुत) में बजाना।
6. एकताल एवं आडाचौताल तालों में पेशकार, कायदे, रेले, चक्रदार, टुकडे, परन आदि का विस्तार सहित एकल वादन करने की क्षमता।
7. त्रिताल, झपताल, रूपक ताल में लहरे के साथ वादन। (10 मिनिट)
8. परीक्षक द्वारा पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों में से किन्हीं चार तालों के ठेकों का अपेक्षित लय में वादन।
9. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

## //संदर्भित पुस्तकें//


1. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
2. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
3. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
4. तबला पुराण : पं. विजय शंकर मिश्र
5. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. एम. बी. मराठे
6. ताल वाद्य परिचय : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल